website: www.thinq360.com

* वर्ष 01 * अंक 01 * साप्ताहिक * पंजीयन सं. RJMUL/26/A4290 * पृष्ठ 4 * मूल्य ₹ 5 /- * सम्पादकः प्रदीप सिंह

Page 04

थिंक राजस्थान

जयपुर, शनिवार, 07 जून 2026

राजस्थान का प्रमुख हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

इण्डिया गठबंधन की बैठक में सहयोगी दलों ने कांग्रेस को सुनाई खरी-खरी

निजी संवाददाता

नई दिल्ली। इण्डिया गठबंधन की सोमवार को हुई बैठक में कांग्रेस को गठबंधन के सहयोगी दलों से आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव जैसे नेताओं ने बैठक में कांग्रेस को जमकर सुनाया। सीपीआई (एम) और एनसीपी (एसपी) समेत कुछ नेताओं ने तमिलनाडु में डीएमके के साथ अपना पुराना गठबंधन तोड़ने के लिए कांग्रेस पर तंज भी कसा।

बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और ममता बनर्जी के साथ मिलकर घोषणा की कि वे चुनावी गड़बड़ियों के आरोपों पर सीजेआई को पत्र लिखेंगे। साथ ही पेपर लीक व परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर मचे हंगामे के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करेंगे।

कांग्रेस को बड़ा दिल दिखाना चाहिए- अखिलेश : सूत्रों का कहना है कि बैठक के दौरान

अखिलेश यादव ने मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी से साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस को बड़ा दिल दिखाना चाहिए और सभी को साथ लेकर चलने वाला रवैया अपनाना चाहिए। सपा प्रमुख ने कहा कि गठबंधन की यह बैठक बहुत लंबे समय बाद हो रही है और इस दौरान राजनीतिक माहौल काफी खराब हो गया है। उन्होंने कहा कि गठबंधन को आत्म-मंथन करना चाहिए कि क्या वह उस तरह काम कर रहा है, जैसा उसे करना चाहिए था।

कई नेता अखिलेश की बात से हुए सहमत : आगे अखिलेश ने कहा कि क्षेत्रीय दलों को यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं होती कि वे कांग्रेस के साथ गठबंधन में हैं, लेकिन राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस कभी ऐसा नहीं कहती। उन्होंने डीएमके के साथ गठबंधन तोड़ने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। बाद में एनसीपी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले और सीपीआई (एम) के जॉन ब्रिटास ने भी इस बात का समर्थन किया। गठबंधन की संस्थापक सदस्य डीएमके ने यह साफ कर दिया कि वह कांग्रेस के साथ मंच साझा नहीं करेगी और बैठक में वह शामिल नहीं हुई।

अखिलेश ने कहा कि कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व शायद राजनीतिक हालात की गंभीरता को समझ नहीं पा रहा है। तेजस्वी यादव ने भी इस बात का समर्थन किया और कहा जा रहा कि उन्होंने एक मौके पर यह भी कहा कि बिहार में कांग्रेस का राज्य नेतृत्व समझौता कर चुका है। खबर तो यह भी है कि सपा प्रमुख ने नीतीश का नाम लिया और कहा कि अगर जदयू के प्रमुख नीतीश कुमार गठबंधन में होते तो हालात कुछ और होते।

केरल के पूर्व सीएम पिनाराई विजयन के घर पर ईडी की छापेमारी का जिक्र करते हुए अखिलेश ने कहा कि जब केंद्रीय एजेंसियां गठबंधन के किसी सदस्य को निशाना बनाती हैं तो बाकी सदस्यों को एक-दूसरे का साथ देना चाहिए।

एक नजर...

मोदी मेरे करीबी मित्र, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर काम जारी: डोनाल्ड ट्रंप

निजी संवाददाता

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके अच्छे मित्र हैं और उन्हें विश्वास है कि अमेरिका तथा भारत के बीच व्यापार समझौता हो जाएगा।

ट्रंप ने कहा, हम समझौते तक पहुंच जाएंगे क्योंकि मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बहुत पसंद करता हूं। वह मेरे अच्छे मित्र हैं। हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं और हम एक समझौता करने जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच जारी व्यापार वार्ताओं से जुड़े एक सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि भारत ने वर्षों तक अमेरिकी नीतियों का फायदा उठाया और अमेरिकी कंपनियों पर भारी शुल्क (टैरिफ) लगाया।

ट्रंप ने कहा, उन्होंने हमारी कंपनियों पर बहुत अधिक शुल्क लगाया, जबकि हमने उन पर कुछ भी शुल्क नहीं लगाया। इस सप्ताह की शुरुआत में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल भारत गया था और दोनों देशों के बीच अंतरिम द्विपक्षीय समझौते पर चार दिनों तक चली वार्ता बृहस्पतिवार को समाप्त हुई। भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि ये व्यापार वार्ताएं सहयोग और व्यावहारिकता की भावना से हुईं तथा दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने वाले पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते को अंतिम रूप देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

युवक ने कमरा बंद कर साड़ी से लगाया फंदा

निजी संवाददाता

जोधपुर। शहर के प्रतापनगर स्थित यूआईटी कॉलोनी क्षेत्र में एक युवक ने अपने घर के कमरें में खुद को बंद कर फंदा लगा लिया। परिजन को पता लगने पर दरवाजा खोल कर उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले जाया गया, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। मृतक के भाई की तरफ से प्रतापनगर सदर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। पुलिस ने बताया कि प्रतापनगर सदर थाना क्षेत्र की यूआईटी कॉलोनी निवासी 38 वर्षीय हरिश चौहान पुत्र प्रेमराज चौहान ने अपने घर में साड़ी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। उसके भाई वीरेंद्र चौहान ने मर्ग में रिपोर्ट दी है। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया।

अवैध बजरी से भरा डंपर जब्त, चालक गिरफ्तार

निजी संवाददाता

जोधपुर। शहर की लूणी पुलिस ने भाचरणा गांव की सरहद में एक अवैध बजरी से भरा डंपर जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ पहले भी प्रकरण दर्ज हो रखा है। लूणी पुलिस थाने के एएसआई लिखमाराम गश्त पर थे। तब भाचरणा गांव की सरहद से निकल रहे एक बजरी से भरे डंपर को रूकवाया गया। डंपर में भरी बजरी को लेकर चालक से पूछताछ की गई तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इस पर बजरी को अवैध मान कर सीज किया गया। चालक फौंच निवासी भजनलाल के खिलाफ माइनिंग एक्ट में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया।

नकबजन नगदी और आभूषण के साथ बाइक की चाबी भी साथ ले गया

निजी संवाददाता

जोधपुर। शहर के निकटवर्ती लूणी तहसील के कांकाणी गांव में चोरों ने एक घर में सैंध लगाकर नगदी जेवरात के साथ बाइक की चाबी भी चुरा ले गए। लूणी पुलिस ने मामला दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। घटना 30 मई की रात को होना बताया गया है। पुलिस अब आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज से पता लगाने का प्रयास कर रही है।

लूणी पुलिस ने बताया कि कांकाणी निवासी शेषाराम पुत्र घेवरराम ने मामला दर्ज कराया। इसमें बताया कि 30 मई की रात करीब 12 से 2 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति उनके घर में घुसा और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घर से 35 हजार रुपए, चांदी की चूडियां, पायल, अंगुठियां, लेडीज पिन, सोने के लूंग के साथ घर से बाइक की चाबी भी चोरी कर ले गया। रिपोर्ट में बताया कि उसके घर के पास में बैंक और निजी संस्थान पर सीसीटीवी फुटेज से चोर की पहचान कर पता लगाया जा सकता है। फिलहाल लूणी पुलिस की तरफ से अनुसंधान जारी है।

राजस्थान में अंधड़-बारिश से 4 की मौत, 14 जिलों में ऑरेंज और 8 में यलो अलर्ट

निजी संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में मानसून के जुलाई के पहले हफ्ते में पहुंचने की उम्मीद है, लेकिन उससे पहले ही प्री-मानसून ने प्रदेश में अपनी धमक दे दी है। जयपुर सहित राज्य के कई हिस्सों में गुरुवार शाम से शुरू हुआ रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। हालांकि, मौसम के इस बदले मिजाज ने जहां एक तरफ भीषण गर्मी से राहत दी है, वहीं दूसरी तरफ यह दो परिवारों के लिए काल बन कर बरसा। प्रदेश में आए तेज अंधड़ और आंधी के कारण अलग-अलग हादसों में दो भाइयों सहित 4 लोगों की जान चली गई। मौसम विभाग (IMD) ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 7 जून तक राज्य में आंधी-बारिश का दौर जारी रहने की चेतावनी दी है।

आज इन जिलों में ऑरेंज और यलो अलर्ट : मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार (5 जून) को राजस्थान के बड़े हिस्से में भारी अलर्ट जारी किया गया है।

ऑरेंज अलर्ट (14 जिले): श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, टोंक और बूंदी। इन इलाकों में तेज आंधी के साथ भारी बारिश की आशंका है।

यलो अलर्ट (8 जिले) : बीकानेर, नागौर, अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, कोटा, बारां और झालावाड़।

राजस्थान में स्कूलों की छुट्टियां 7 दिन बढ़ाई

बीकानेर। राजस्थान के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां 7 दिन बढ़ा दी गई है। शिक्षा विभाग ने सोमवार को इसके आदेश जारी कर दिए। अब राज्य के सरकारी और निजी स्कूलों में 20 जून की जगह 28 जून तक अवकाश रहेगा। स्कूल 29 जून से स्कूल खुल जाएंगे। वहीं प्रिंसिपल फिर से स्कूलों में 2 दिन का अवकाश जारी कर सकेंगे। पहले इसे 1 दिन का कर दिया था।

दरअसल, शिक्षा विभाग ने 20 जून तक गर्मियों की छुट्टियां घोषित की थी। 21 जून को रविवार होने के कारण स्कूल 22 जून से खुलने थे, लेकिन लगातार पड़ रही गर्मी और शिक्षक संगठनों की मांग के बाद सरकार ने अवकाश अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है।

43 दिन की होंगी गर्मियों की छुट्टियां : आदेश के अनुसार इस साल स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां 43 दिन हो गई है। शिक्षा विभाग ने इसके लिए आधिकारिक आदेश जारी कर सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जयपुर में 22 मई को शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से मुलाकात कर गर्मी की छुट्टियां बढ़ाने की मांग रखी थी।

एक्सपो प्लेटफार्म पर यूएसडीटी और क्रिप्टो में निवेश के नाम पर ठगी

निजी संवाददाता

जोधपुर। शहर के नागौरी गेट क्षेत्र में चिट फंड कंपनी चलाने वाले लोगों के खिलाफ लगातार ठगी के प्रकरण दर्ज हो रहे है। अब तक आधा दर्जन केस दर्ज हो चुके है और तकरीबन दो करोड़ की ठगी का पता लगा है।

यह बढ़ भी सकती है। नागौरी गेट, माता का थान, महामंदिर के बाद सरदारपुरा थाने में एक्सपो प्लेटफार्म पर इवेस्टमेंट के नाम पर लाखों की ठगी का प्रकरण दर्ज हुआ है। शातिरों ने स्थानीय लोगों को यूएसडीटी और क्रिप्टो में निवेश के नाम पर अपनी ठगी का शिकार बनाया। सबसे बड़ी बात है कि इवेस्टमेंटकर्ताओं ने ना तो पर्ची ली और ना ही किसी प्रकार की लिखा पढ़ी शातिरों से की। सब लेन देन केश में किया गया। पुलिस खुद अब पशोपेश की स्थिति में है। जांच किस प्रकार की जाए।

झंवर रोड स्थित वैशाली टाउनशिप बोरानाडा निवासी शाहरूख खां पुत्र मो. शफीक ने सरदारपुरा थाने में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 19 जनवरी 25 से 28 मार्च 26 के बीच में उसने एक्सपो प्लेटफार्म पर लाखों रूपए इंवेस्ट किए थे। इसमें जितेंद्र जांगिड़, रजत शर्मा, पूजा, विजय मोर्य आदि ने मिलकर यूएसटीडी और क्रिप्टो में

निवेश के नाम पर बड़े लाभांश की बात की थी। शाहरूख ने अपने कुछ परिचितों को भी इसमें शामिल कर लिया था। शातिरों को चिल्ड्रन पार्क के पास एक चाय की थड़ी पर रूपयों का लेन देन दिया गया। मगर उसके पास में लेन देन की पर्ची या कोई लिखापढ़ी नहीं है। थानाधिकारी जयकिशन सोनी ने बताया कि लेन देन के संबंध में इनके पास कोई कागज इत्यादि नहीं है।

दस दस रूपए के बंडल देने की बात कहकर सैलून कार्मिक 20 हजार लेकर चंपत

निजी संवाददाता

जोधपुर। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित सेक्टर 17 ई में रहने वाले एक युवक के साथ सैलून कार्मिक ने धोखाधड़ी कर 20 हजार रूपए लेकर चंपत हो गया। पीड़ित ने रिश्तेदार की शादी के लिए दस दस रूपयों के बंडल दिलवाने की बात की थी। आरोप है कि सैलून कार्मिक कई लोगों से इस तरह का फॉड कर फरार हो चुका है। पुलिस ने कोर्ट से मिले इस्तगासे पर अब केस दर्ज कर जांच आरंभ की है। आरोपी की तलाश की जा रही है। मामले में 17 ई 696 निवासी सोहेल शेख पुत्र अब्दुल रहीम शेख ने रिपोर्ट दी।

रिपोर्ट में बताया कि कुम्हारों का मोहल्ला उदयरामसर बीकानेर निवासी मुकेश ने धोखाधड़ी की है। पीड़ित की जान पहचान आरोपी मुकेश से एक हैयर सैलून 17 ई चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पर तीन साल पहले हुई थी।

भजन सरकार के कैबिनेट मंत्री खिंवसर के बेटे को फोन पर मिली धमकी 'जयपुर में गोली मार दूंगा'?

निजी संवाददाता

जयपुर। नागौर जिले के खींवसर थाने में भजनलाल सरकार के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह ने अज्ञात शख्स के खिलाफजान से मारने की धमकी की रिपोर्ट दर्ज हुई है। पुलिस ने मामले में पड़ताल शुरू कर दी है। शिकायत में कहा गया है कि वह पांच जून की सुबह अपने निजी कार्यालय खींवसर फेर्ट में थे, तभी उन्हें एक अज्ञात नंबर से फोन आया। आरोप है कि फोन कॉल करने वाले व्यक्ति ने पहले धनंजय सिंह की पहचान की पुष्टि की और फिर उनसे जयपुर यात्रा की योजना के बारे में पूछा।

सावधान रहना, गोली मार दूंगा?: पुलिस रिपोर्ट के अनुसार मंत्री के बेटे धनंजय सिंह द्वारा यह बताने पर कि वह दो दिन बाद वहां एक बैठक में शामिल होने वाले हैं, फोन कॉल करने वाले व्यक्ति ने उन्हें सावधान रहने की चेतावनी दी।

प्राथमिकी के अनुसार, जब धनंजय सिंह ने कॉल करने वाले की पहचान और चेतावनी का कारण पूछा, तो आरोपी ने कहा, 'सावधान रहना, मैं तुम्हें गोली मार दूंगा।' सोशल मीडिया से भी मिल रही धमकी?: पुलिस रिपोर्ट के अनुसार धनंजय सिंह ने आरोप लगाया कि उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से भी धमकियां मिल रही हैं। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और विस्तृत जांच जारी है।

पुलिस को दिए शिकायत पत्र में धनंजय सिंह ने आधिकारिक फेसबुक पेज पर भी आपत्तिजनक और धमकी भरे संदेश लगातार भेजे जा रहे हैं। इस संबंध

में उन्होंने पुलिस को धमकियों से जुड़े स्क्रीनॉट भी उपलब्ध करवा दिए हैं।

जांच शुरू: पुलिस ने मंत्री पुत्र को धमकी देने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। जांच की जिम्मेदारी एसआई अमरचंद को सौंपी गई है। पुलिस साइबर सेल की सहायता से कॉल की जानकारी और सोशल मीडिया अकाउंट की पड़ताल कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की जल्द ही पहचान कर एक्शन लिया जाएगा?

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, इमारतें गिरीं: 32 की मौत

निजी संवाददाता

मनीला। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। प्रभावित इमारतों में ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और व्यावसायिक भवन शामिल हैं। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक अब तक 32 लोगों की मौत हुई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्स्क) के मुताबिक, भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में था। यह सारंगानी प्रांत के मासीम कस्बे से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और 33 किलोमीटर की गहराई पर आया। अधिकारियों का कहना है कि यह इस साल फिलीपींस में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप है। भूकंप के बाद सुनामी भी आई। सबसे ऊंची लहर की ऊंचाई 1.4 मीटर (करीब 4.6 फीट) रही। एहतियात के तौर पर इंडोनेशिया और मलेशिया ने भी सुनामी की चेतावनी जारी की थी, जिसे कुछ घंटों बाद वापस ले लिया गया। फिलीपींस के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान (फिवोल्क्स) ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे तक 138 आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। इन झटकों की तीव्रता 1.3 से 6.7 के बीच रही।

सैंटोर शहर में सबसे ज्यादा नुकसान : 7 लाख से ज्यादा आबादी वाले

बंदरगाह शहर जनरल सैंटोस में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। यहां कई इमारतों में दरारें आ गईं, कुछ छोटी इमारतें आंशिक रूप से ढह गईं और एक पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन अधिकारियों के मुताबिक शहर में कम से कम 7 लोगों की मौत हुई और करीब 130 लोग घायल हुए हैं।

दक्षिण कोटाबाटो, दावाओ ऑक्सिडेंटल और बालुत द्वीप समेत अन्य दक्षिणी इलाकों में भी 9 लोगों की मौत हुई। इनमें कुछ लोग गिरते मलबे, एक क्षतिग्रस्त मस्जिद और भूस्खलन की चपेट में आ गए। अधिकारियों ने बताया कि जनरल सैंटोस में एक दो मंजिला स्कूल इमारत के गिरने की खबर के बाद राहत और बचाव अभियान चलाया गया। आशंका जताई गई कि कुछ छात्र मलबे में फंस सकते हैं। वहीं पुलिस के अनुसार शहर में कम से कम 7 लोग लापता हैं। सोमवार को गर्मी की छुट्टियों के बाद देशभर के सरकारी स्कूल खुले थे। दक्षिणी क्षेत्र के अधिकारियों के मुताबिक सुबह ध्वजारोहण समारोह में शामिल 100 से ज्यादा छात्रों को हल्की चोटें आईं, जबकि कई बच्चे घबराहट के कारण बेहोश हो गए। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि उन्होंने सभी संबंधित सरकारी एजेंसियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

उवियारड़ा में हुई बड़ी नकबजनी का खुलासा : तीन शातिर आरोपी गिरफ्तार

निजी संवाददाता

जोधपुर। शहर के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में गत 19 मई को उचियारड़ा के रहने वाले श्रवणराम प्रजापत के मकान में 15 तोला सोना और डेढ़ किलो चांदी के आभूषण चोरी के प्रकरण का पुलिस ने आज खुलासा करते हुए तीन शातिरों को पकड़ा है। संदिग्ध कार की पतासरी के बाद घटना का खुलासा हो पाया। पुलिस ने 12 लाख नगद, चांदी की दो सिल्ली और 89 ग्राम सोने की एक बट्टी खरीददार से जब्त की है। आरोपियों ने गहनों को पिघलाकर बेच दिया था।

एयरपोर्ट थानाधिकारी श्रीमती संतोष चौधरी ने बताया कि मामला दर्ज होने पर पुलिस की टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने सौ से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज देखे और एक संदिग्ध ग्रे रंग की कार का पता लगाया। कार बाद में नाथों का बास सिवांची गेट तक एक कमरें पर आकर रूकी। तब एएसआई गणेशीलाल वहां पहुंचे। तब घर के अंदर डेडीसरा फलोदी निवासी दुर्गेश उर्फ दुर्गाराम पुत्र गोरधनराम मेघवाल, सिवांचीगेट सिंधियों का बास निवासी नवीन उर्फ रॉकी पुत्र राजू भाटी एवं पांचवीं रोड ईदगाह बादमा अस्पताल के पास रहने वाले सोनू उर्फ फतेहराज पुत्र जगदीश सुनार मिले। गहन पूछताछ में इन्होंने चोरी करना स्वीकार किया। थानाधिकारी संतोष चौधरी ने बताया कि सोने चांदी को आरोपियों ने पिघलाकर दुकानदार को बेच दिया। जिस पर 12 लाख रूपए नगद, दुकान की तस्दीक कर दुकानदार से चांदी की दो सिल्ली दो किलोग्राम एवं सोने की एक बट्टी 89 ग्राम की जब्त की गई। आरोपियों को पांच दिन की पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

सम्पादकीय

भस्मासुर न बने एआई नियमन की पहल संग साइबर सुरक्षा बढ़े

पिछले दिनों पोप लियो के उसे बयान ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था, जिसमें उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के खतरों पर गहरी चिंता जताई थी। उन्होंने इस अत्याधुनिक तकनीक के युद्धों में घातक प्रभाव का जिक्र करते हुए कहा था कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता। जाहिर है उन्होंने एआई के खतरों को महसूस करते हुए दुनिया को इसके घातक प्रभावों से अवगत कराया। कहीं न कहीं उनके इस बयान के गहरे निहितार्थ हैं कि एआई को इंसानी नियंत्रण में रखने की जरूरत है। जो मानवीय मूल्यों की रक्षा और नैतिकता को अक्षुण्ण रखने के लिये भी जरूरी है। हाल के दिनों में दुनिया में साइबर अपराधों में वृद्धि, वैज्ञानिक डेटा का दुरुपयोग और एआई आधारित हथियारों का बोलबाला बढ़ा है। कह सकते हैं, पूरी दुनिया एआई को लेकर भय व आशंकाओं में जी रही है। जिसकी प्रतिध्वनि पोप लियो के बयान में भी झलकती है। यह महज संयोग है या पोप के बयान का प्रभाव कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी कर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नियमन की दिशा में एक बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। निश्चय ही यह अमेरिकी नीतियों में बड़ा बदलावा है, क्योंकि अब तक चीन से आगे निकलने की होड़ में अमेरिकी तकनीकी कंपनियों को बेलगाम छूट दे रखी थी। अमेरिकी सरकार के इस नये आदेश के अनुसार अब अमेरिकी एआई कंपनियां अपने नये मॉडल को सार्वजनिक करने से पहले सरकार को समीक्षा के लिये तीन दिन तक का समय स्वेच्छा से देंगी। सरकार का एक समीक्षा केंद्र एआई मॉडल द्वारा खोजी गई तकनीक की सुरक्षा खामियों की समीक्षा करेगा। निस्संदेह, यह पहल उन पुराने प्रस्तावों से अलग है जो प्रमुख एआई मॉडलों को सरकारी नियंत्रण में लाने की बात करते थे। यह एक अनिवार्य जांच प्रक्रिया होगी। वैसे भी तकनीकी कंपनियों पर इस बात के लिये भरोसा नहीं किया जा सकता कि वे खुद नियंत्रण की पहल करेंगी।

हालांकि, अमेरिका में एक वर्ग ऐसा भी है जो मानता है कि इस नियमन से अमेरिका की तकनीकी बढ़त कम हो सकती है। वे सरकारी दखल का विरोध कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी अदालत में कुछ एआई कंपनियों को मानवीय जीवन में हस्तक्षेप के लिये कटघरे में खड़ा भी किया गया है। बहरहाल, अमेरिका में विरोध के बावजूद ट्रंप ने एआई को लेकर सतर्क रुख अपनाया है। हालांकि,इस पहल को पूरी तरह कारगर नहीं कहा जा सकता, लेकिन फिर भी नियमन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम जरूर है। खास तौर से , एक अमेरिकी कंपनी के नये मॉडल की घोषणा के बाद से ही एआई सुरक्षा और नवाचार के बीच संतुलन बनाये रखने के लिये एक औपचारिक निगरानी तंत्र विकसित करने की जरूरत पर बल दिया जा रहा। दरअसल यह नई घोषणा विश्व स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है। कंपनी ने अप्रैल में दावा किया था कि उसकी नई खोज दुनिया के विभिन्न देशों की साइबर सुरक्षा की कमजोरियों की पहचान करने और उसका लाभ उठाने में सक्षम है। निश्चय ही इसके गंभीर परिणामों को लेकर पूरी दुनिया में असुरक्षा की भावना पैदा हुई है। एक तरफ दुनिया की तमाम सरकारें और व्यवसाय सॉफ्टवेयर प्रणालियों को सुरक्षित करने और सभी सुरक्षा उपाय लागू करने के दिशा में गंभीर प्रयास कर रहे हैं, वहीं नई एआई खोजों से व्यापक दुरुपयोग की आशंका पैदा हो गई हैं। यही वजह है कि दुनिया के देशों में लोगों में एआई को लेकर नकारात्मक धारणा बन रही है। एक तो रोजगार के अवसरों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को लेकर पहले ही चिंता व्यक्त की जा रही है, दूसरी ओर नई सेंधमारी की आशंकाएं उसे और गंभीर बना रही हैं। यही वजह है कि आम लोगों में इस ताकतवर तकनीक को लाभ के बजाय हानि के रूप में देखा जा रहा है। जिसकी झलक पोप के हालिया बयान के रूप में देखी जा रही है। बहरहाल, भारत के लिये अमेरिकी रणनीति में बदलाव एक बड़ा सबक है। भारत को भी इसी तरह से अधिक साइबर सुरक्षा बढ़ाने और एआई पेशेवरों को नियुक्त करने की जरूरत होगी। हमारे लिये बुनियादी ढांचे का संचालन करने वाले संस्थानों में मजबूत में मजबूत साइबर सुरक्षा प्रणालियों को सुनिश्चित करना जरूरी होगा।

वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों के बीच, ग्रामीण राजस्थान सौर ऊर्जा के माध्यम से देश की ऊर्जा सुरक्षा की नई इबारत लिख रहा है

निजी संवाददाता

जैसलमेर। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव – विशेष रूप से ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच की अस्थिर परिस्थितियों – ऊर्जा सुरक्षा के प्रश्न को और अधिक गंभीर बना रही हैं। ईंधन की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव और आपूर्ति में अनिश्चितता का सीधा प्रभाव भारत जैसी आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ऐसे नाजुक समय में, राजस्थान के फतेहगढ़ और जैसलमेर क्षेत्र से एक उम्मीद की किरण उभर रही है। इस क्षेत्र में सूर्यप्रकाश की असाधारण उपलब्धता इसे सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए देश के सबसे उपयुक्त स्थानों में से एक बनाती है। यहाँ विकसित हो रही परियोजनाएँ न केवल स्थानीय किसानों और ग्रामीण समुदायों की जीवनशैली बदल रही हैं, बल्कि पूरे देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ठोस कदम भी साबित हो रही हैं। खेती में बढ़ती डीज़ल लागत और बिजली की अनियमित आपूर्ति किसानों के सामने लंबे समय से बड़ी चुनौती रही है। सौर ऊर्जा से चलने वाले सिंचाई पंप इस समस्या का एक विश्वसनीय और दीर्घकालिक समाधान बनकर सामने आए हैं। इससे सिंचाई नियमित हो रही है, फसल उत्पादन में वृद्धि हो रही है और खेती अधिक टिकाऊ बन रही है। इन परियोजनाओं का प्रभाव केवल खेतों तक सीमित नहीं है। स्थानीय स्तर पर उत्पादित बिजली स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों, जलापूर्ति व्यवस्था और लघु उद्योगों को भी सशक्त बना रही है। बार-बार होने वाली बिजली कटौती में उल्लेखनीय कमी आई है, जिसका सीधा लाभ आम जनजीवन को मिल रहा है। हरित ऊर्जा परियोजनाओं का एक और महत्वपूर्ण पहलू ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन है। इन परियोजनाओं के माध्यम से स्थानीय युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। यह केवल ऊर्जा उत्पादन नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की प्रक्रिया है।

राज्यसभा प्रत्याशियों का प्रदेश भाजपा कार्यालय में स्वागत

भाजपा मुख्यालय में जुटे दिग्गज, केंद्रीय मंत्री शेखावत ने दी शुभकामनाएं

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री तथा जोधपुर सांसद गजेन्द्र सिंह शेखावत सोमवार को जयपुर पहुंचे। यहां उन्होंने राजस्थान से राज्यसभा के लिए भाजपा के प्रत्याशी डॉ सतीश पूनिया एवं श्रीमती अलका गुर्जर के नामांकन से पूर्व भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित स्वागत समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने दोनों प्रत्याशियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल राजनीतिक और जनसेवा जीवन की कामना की।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से आत्मीय संवाद किया तथा संगठन की मजबूती और आगामी राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजय कुमार, सांसद लुंबाराम, पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ सहित अनेक वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संगठन महामंत्री अजय कुमार से शिष्टाचार भेंट की : जयपुर प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भाजपा के नवनियुक्त संगठन महामंत्री अजय कुमार से शिष्टाचार भेंट भी की। उन्होंने उनके प्रथम आगमन पर स्वागत-अभिनंदन करते हुए संगठनात्मक दायित्वों के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं।

शेखावत ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में भाजपा संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

थाना परिसर में खंडित हुई प्रथम कोतवाल की प्रतिमा, कांग्रेस ने जांच की मांग उठाई

निजी संवाददाता

जोधपुर। सदर कोतवाली सिटी पुलिस थाना परिसर में स्थापित प्रथम कोतवाल स्वर्गीय फतेह राज कल्ला की प्रतिमा के खंडित होने के मामले को लेकर कांग्रेस नेताओं ने जिला प्रशासन से जांच करवाने और प्रतिमा का सम्मानपूर्वक पुनर्स्थापन कराने की मांग की है।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विधि विभाग के प्रदेश सचिव ब्रजेश पुरोहित ने बताया कि इस संबंध में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर प्रतिमा की स्थिति की जांच कराने तथा आवश्यक मरम्मत एवं संरक्षण सुनिश्चित करने की मांग की गई है। जोधपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ओमकार वर्मा ने कहा कि थाना परिसर जैसी सुरक्षित जगह पर भी प्रतिमा का सुरक्षित नहीं रहना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि थाना अधिकारी अथवा अधीनस्थ कर्मचारियों द्वारा उचित रखरखाव नहीं किया गया या फिर किसी के निर्देश पर प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया गया हो सकता है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ऐतिहासिक एवं सामाजिक महत्व रखने वाली प्रतिमाओं का संरक्षण प्रशासन की जिम्मेदारी है। ऐसे में प्रतिमा के खंडित होने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। इस अवसर पर अनिल जोशी, सुनील बोहरा, अनिल गौड़, गोपाल राज कल्ला, नटवर शर्मा, धर्मेंद्र राठौड़, श्रवण विश्नोई, ओमप्रकाश विश्नोई, चंद्रशेखर, मितेश परिहार, मोहम्मद उमर, अबरार अहमद, निर्मल उपाध्याय, चंद्रशेखर पुरोहित, जाकिर अली, उमेद अली मेहर, वाशिम, सायना बानू, इंसाफ अली, एम.आर. डेलू सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा के क्षतिग्रस्त होने पर रोष व्यक्त किया और प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

धूरी से उतरने के डर से अर्नगल टिप्पणियां करते हैं गहलोत: गजेन्द्रसिंह शेखावत

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर हमला करते हुए दो-टूक कहा कि 40 साल से राजस्थान की राजनीति में वह जिस तरह कांग्रेस की धूरी बने बैठे थे, अब उन्हें उससे उतरने का डर लगा हुआ है, क्योंकि कांग्रेस में सचिन पायलट को नई जिम्मेदारी देने की चर्चा चल रही है, इसी वजह से वह अर्नगल टिप्पणियां करते रहते हैं।

सोमवार को भाजपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अशोक गहलोत अपने आपको प्रासंगिक बनाए रखने के लिए इस तरह की टिप्पणियां करते हैं। वह अपने-आपको गांधीवादी दिखाते हैं, लेकिन किस तरह राजनीतिक व्यवहार करते हैं, यह हम सब जानते हैं।

शेखावत ने कहा कि उन्होंने मुझको लेकर कहा कि मुझे राजनीतिक रूप से लाइन लंबी करनी चाहिए, लेकिन राजस्थान का इतिहास गवाह है और राजस्थान कांग्रेस पार्टी का भी इतिहास गवाह है कि जिस भी कार्यकर्ता ने अपनी लाइन को थोड़ा भी लंबा करने का प्रयास किया, उन्होंने उसे मिटाने की कोशिश है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अशोक गहलोत की इस कला से सभी को सीखने की जरूरत है, इसलिए उनकी कला की वजह से ही राजस्थान के अधिकांश के मीडिया साथी उन्हें जादूगर के नाम से नवाजते हैं।

सतीश पूनिया और अलका गुर्जर का चयन स्वागतयोग्य : केंद्रीय मंत्री शेखावत ने राज्यसभा के लिए सतीश पूनिया और अलका गुर्जर के चयन का स्वागत करते हुए कहा कि इससे राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी की आवाज, विचारधारा और राजस्थान का पक्ष और अधिक मजबूत होगा। शेखावत ने इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का आभार व्यक्त किया।

स्वच्छ पर्यावरण और हरित विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

प्रकृति संरक्षण, जल संवर्धन एवं वृक्षारोपण में आमजन निभाएं सक्रिय भागीदारी : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर झालाना के विश्व वानिकी वृक्ष उद्यान में बरगद का पौधा रोपकर 'हरियालो राजस्थान' और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए आमजन से वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधे लगाकर मिशन हरियालो राजस्थान में भागीदार बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद् स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। हम सभी को राजस्थान को पर्यावरण की दृष्टि से श्रेष्ठ बनाना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और हरित विकास के संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। प्रकृति संरक्षण, जल संवर्धन, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संतुलन के प्रति आमजन भी अपनी जिम्मेदारियों का समर्पण भाव से निर्वहन करें और नई पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य दें।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026-27 के राज्य बजट में राजस्थान को हरित प्रदेश के रूप में विकसित करने की दृष्टि से 10 करोड़ पौधे लगाने एवं संरक्षण का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, सांसद मंजू शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारीगण एवं पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

जनता को महंगाई की मार मार रही है मोदी सरकार

निजी संवाददाता

जोधपुर। जोधपुर कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व राज्य मंत्री अमीन पठान ने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार जनता को महंगाई की मार मार रही है। आज ही सुबह रसोई गैस के दामों में 29 रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है। एक तरफ जनता बेरोजगारी से परेशान है तो वहीं अब उन्हें महंगाई की दोगुनी मार मारी जा रही है।

प्रधानमंत्री जब सत्ता में आए थे तब उन्होंने लोगों को अच्छे दिन का वादा किया था लेकिन आज लोग कह रहे हैं कि हमें अच्छे दिन नहीं चाहिए, हमें तो वही हमारे पुराने दिन चाहिए जब पेट्रोल 60 रुपए लीटर था। पठान ने कहा कि राजस्थान में तो सरकार नाम की कोई चीज नहीं बची है। कौन फैसला ले रहा है कुछ नहीं पता। दिल्ली से पर्ची आती है और यहां पर फैसला लागू कर दिए जाते हैं। राजस्थान में जनता आज पानी और बिजली के संकट से त्रस्त है। किसानों को भीषण गर्मी में सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है। शहरों में लोगों को पीने के लिए पानी नहीं मिल रहा है। लोग प्रदर्शन करने को मजबूर हैं। राजस्थान के मंत्री और विधायकों की अपनी ही सरकार में नहीं चल रही है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि सरकार का नौकरशाही पर कंट्रोल नहीं है। हर जगह भ्रष्टाचार चरम पर है। आए दिन हत्याएं हो रही हैं, महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहे हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों में महिला अत्याचार के मामले में राजस्थान देश भर में पहला राज्य है।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की योजनाओं को बंद किया : अमीन पठान ने कहा कि हमारी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जनहित में कई अच्छी योजनाएं चलाई थीं। चिरंजीवी योजना में लोगों को मुफ्त इलाज मिल रहा था। 25 लाख रुपए तक का इलाज मिल रहा था, उस योजना को सरकार ने कमजोर किया है। चार-चार महीने से सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं मिल रही है। कर्मचारियों की स्थिति भी बदतर है। कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। भाजपा सरकार किसी की भी नहीं सुन रही है।

नीट पेपर लीक मामले में कोई कार्रवाई नहीं : पठान ने कहा कि नीट का पेपर चोरी हो जाता है, 25 लाख बच्चों के भविष्य पर संकट के बादल छा जाते हैं, लेकिन मोदी सरकार किसी पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं होता है। विपक्ष इस मामले को लेकर लगातार सड़कों पर है और कांग्रेस पार्टी जब तक धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं होता तब तक प्रदर्शन करती रहेगी।

चंद उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है मोदी सरकार : अमीन पठान ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल चंद उद्योगपतियों के लिए काम कर रहे हैं। उनको जनता से कोई मतलब नहीं है। पहले देश की संपत्तियों को चंद उद्योगपतियों को देने का काम किया, अब जल, जंगल, जमीन भी उद्योगपतियों को दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप हमारे देश की अनमोल धरोहर और बहुत खूबसूरत द्वीप है। उस द्वीप को भी केंद्र सरकार उद्योगपतियों को देने जा रही है। राहुल गांधी ने उसे बचाने की मुहिम शुरू की है, पूरी कांग्रेस पार्टी इस मुहिम में उनके साथ खड़ी है। यही नहीं, देश का युवा भी बुद्धिजीवियों के साथ खड़े हैं और किसी भी कीमत पर इस द्वीप को उद्योगपतियों को नहीं देने देंगे। उन्होंने कहा कि अगर विकास के नाम पर प्रकृति से छेड़छाड़ की जाएगी तो ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बना रहेगा। आज पूरी दुनिया पर्यावरण असंतुलन होने की वजह से ही कहीं पर गर्मी अधिक रही है, कहीं पर प्राकृतिक प्रकोप आ रहे हैं। अगर आने वाली नस्लों को अच्छी जिंदगी देनी है तो प्रकृति को बचाना होगा और इस लड़ाई में कांग्रेस पार्टी ही नहीं, देश की जनता को भी खड़े होना चाहिए। राहुल गांधी इसे बचाने का आह्वान कर रहे हैं।

2028 में भाजपा का सफाया साफ होगा : अमीन पठान ने कहा कि राजस्थान में जब से भाजपा राज में खेल और खिलाड़ियों की दुर्दशा हो रही है। ढाई साल से राजस्थान क्रिकेट संघ के चुनाव नहीं हुए हैं। चुनाव नहीं होने की वजह से जयपुर में जो अंतरराष्ट्रीय मैच होते थे वे अब नहीं हो रहे हैं। राजस्थान में क्रिकेट राजनीति का अखाड़ा बनकर रह गया है, जिसका नुकसान खिलाड़ियों को हो रहा है। यही हाल दूसरे खेलों में भी हो रहा है। हमारी सरकार ने ग्रामीण ओलंपिक करवा कर इतिहास रचा था। गांवों में भी लोगों को खेलों से जोड़ने का काम किया था, लेकिन जब से यह सरकार बनी है तब से ही खेल और खिलाड़ियों के बुरे दिन शुरू हो गए हैं। पिछली सरकार में ग्राउंड और स्टेडियम के कार्य शुरू हुए थे जो इस सरकार में ठंडे बस्ते में हैं एवं खिलाड़ियों को खेल कोटे की नौकरी भी नहीं दी जा रही है एवं चयन में खिलाड़ियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। अमीन पठान ने दावा किया कि ऐसा पहली बार हो रहा है जब 2 साल के बाद भी राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ कोई जनाक्रोश देखने को मिल रहा है। इसी डर की वजह से सरकार निकाय और पंचायत चुनाव नहीं करवा रही है क्योंकि उसे पता है कि चुनाव में हार का सामना करना पड़ेगा।

अमीन पठान ने कहा कि कोर्ट बार-बार चुनाव कराने के निर्देश दे रहा है लेकिन सरकार चुनाव नहीं करवा रही है।

यह भी एक तरह से लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश है।

1924 में जोधपुर में हवाई अड्डे का निर्माण करवाया

महाराजा उम्मेद सिंह जोधपुर में वायु सेवाओं के संस्थापक व जनक थे

थिंक राजस्थान

जोधपुर। आधुनिक जोधपुर के निर्माता महाराजा उम्मेदसिंह जोधपुर में वायुसेवाओं के संस्थापक व जनक थे। वे न केवल जोधपुर रियासत वरन् ब्रिटिश भारत के अधीन अनेक देशी रजवाड़ों में उड्डयन इतिहास की शुरुआत करने वाले पहले महाराजा थे। जोधपुर में विभिन्न महत्वपूर्ण सुविधाओं के साथ-साथ अन्य रियासतों के मुकाबले सबसे पहले आजादी से पूर्व जोधपुर में उड्डयन विभाग की स्थापना की। उनके कार्यकाल में जोधपुर हवाई अड्डा विश्व में आधुनिक व अन्तरराष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डों में गिना जाने लगा।

भारतीय राजा-महाराजाओं में पहले पायलट

महाराजा उम्मेदसिंह ने 1924 में जोधपुर में व 1925 में उतरलाई में सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से हवाई अड्डे का निर्माण करवाया। उस समय इस विभाग के मंत्री एस.जी. एडगर थे। महाराजा स्वयं कुशल विमान चालक थे। 1931 में उन्होंने दिल्ली फ्लाइंग क्लब से निजी वायुयान चालक का लाइसेंस प्राप्त किया। महाराजा उम्मेदसिंह भारतीय राजा-महाराजाओं में पहले पायलेट थे।

जोधपुर फ्लांइग क्लब की स्थापना

16 नवम्बर, 1931 को जोधपुर में महाराजा उम्मेदसिंह ने जोधपुर फ्लाइंग क्लब की स्थापना की। महाराजा इसके अध्यक्ष व वाइस प्रेसिडेण्ट ऑफ स्टेट काउंसिल कुँवर महाराजसिंह को उपाध्यक्ष, पी.डब्ल्यू.डी. मंत्री एस.जी. एडगर, एक्स ऑफिशियल फाइनेंस मेम्बर जे. डब्ल्यू. यंग, पायलट इंस्ट्रक्टर आर.ए. टारलेटोन, ऑनरेरी ट्रेजरार एण्ड ऑडिटर सैक्रेटरी जे.डब्ल्यू. गोरडन को क्लब का सदस्य बनाया गया। ग्राउंड इंजीनियर आर. डी. सैमुअल ने भी क्लब को सेवाएं दी। बाद में जे. डब्ल्यू. यंग की अनुपस्थिति में राव राजा नरपतसिंह को क्लब का सदस्य बनाया गया। उन्होंने इंग्लैण्ड के रॉयल एयर फोर्स अधिकारी जी आफ गाडविन को मुख्य उड्डान-प्रशिक्षक नियुक्त किया। 1933-34 तक जोधपुर हवाई अड्डे ने काफी प्रगति की। प्रति वर्ष हवाई जहाजों के यहाँ उतरने की संख्या में बढ़ोत्तरी होती गई व रात्रि में भी विमान उतरने लगे। महाराजा ने 89 हजार की राशि से हवाई अड्डे पर विद्युतिकरण के कार्य करवाये। इससे जोधपुर का हवाई अड्डा दुनिया के आधुनिक हवाई अड्डों में शुमार किया जाने लगा एवं अनेक देशों के हवाई जहाज जोधपुर में रात्रि ठहराव करने लगे। बाद में कंट्रोल टॉवर का निर्माण भी करवाया। 1935 तक जोधपुर हवाई अड्डे पर दो फ्लड लाईट, वायु सूचक यंत्र, चारदीवारी व अवरोधक विद्युत व्यवस्था की गई। हवाई अड्डे पर रात्रि में विमान को दिशा ज्ञान कराने के लिए स्टेट होटल भवन पर घूमता हुआ विद्युत संकेतक लगाया गया। जोधपुर फ्लाइंग क्लब के बारे में पीटर वैशर ने दी हिस्ट्री ऑफ जोधपुर फ्लाइंग क्लब एण्ड रॉयल एयरफोर्स इन प्रिंसली इंडिया पुस्तक का लेखन किया है।

जोधपुर हवाई अड्डे को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनाया

महाराजा ने हवाई अड्डे को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए 1935 में दस हजार की राशि से रनवे का निर्माण, निरन्तर हवाई जहाजों के आने-जाने के कारण हवाई अड्डे पर वायुयानों में ईंधन भरने व ईंधन के भंडारण की भी सुविधा के लिए कराची की मैसर्स स्टेण्डर्ड वैक्यूम ऑयल कम्पनी लि. से कार्य करवाया गया। उन्होंने जोधपुर शहर को विश्व मानचित्र पर लाने के लिए हवाई अड्डों व हवाई पट्टियों का निर्माण करवाया। 1924 में जोधपुर व 1925 में उतलाई के बाद फालना, नारायणपुरा, मेड़ता रोड़, तिलवाड़ा, गड़रा रोड़, नागौर, पाली, रोहट, धोलेराव, सोजत, बाली, जालोर व सांचौर आदि स्थानों पर हवाई स्टेशनों का निर्माण करवाया। इसके बाद सादड़ी, कुचामन, सांभर और बालसमन्द में भी हवाई पट्टियाँ निर्मित करवायी। इन स्टेशनों में प्रथम वर्ग में पब्लिक लैंडिंग ग्राउंड्स व द्वितीय वर्ग में प्राईवेट लैंडिंग ग्राउंड्स रखे गये। जोधपुर, उतरलाई, सोजत, मेड़ता रोड़, पालना, गड़रा रोड़, नागौर, तिलवाड़ा व रोहट में पब्लिक लैंडिंग ग्राउंड्स व व जालोर, वाली, सादड़ी, सांचौर, कुचामन, सांभर, बालसमन्द व धोलेराव में प्राईवेट लैंडिंग ग्राउंड्स थे। 1934 में भीनमाल व डीडवाना में हवाई पट्टी बनाने की योजना बनायी, बाद में सरदारसमंद, हेमावास, मादरी, जसवन्तपुरा, परबतसर, फलोदी, शिव व गुड़ा में भी हवाई पट्टियाँ बनायी गई। 11 मार्च, 1938 तक जोधपुर रियासत में 23 स्थानों पर हवाई जहाज उतारने की सुविधाएँ विकसित हो गई। इस प्रकार की वायुसेवा सुविधाओं के कारण जोधपुर हवाई अड्डा ट्रांस इण्डिया हाईवे पर स्थित होने से दस वर्ष में ही भारत का मुख्य अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा गिना जाने लगा। जोधपुर तीन नियमित वायुसेवाओं से जुड़ गया, जिसमें इंडिया ट्रांस कॉन्टिनेंटल एयरवेज जोधपुर के बाहर डाक व अन्य सामग्री ले जाती, जो सप्ताह में दो बार जोधपुर आती, यह इम्पीरियल एयरवेज से जुड़ी थी, जो लन्दन से कराची तक थी। इसके साथ ही फीडर सेवाएँ भी थीं, जैसे जोधपुर-लाहौर-रावलपिंडी, जोधपुर-अहमदाबाद-बम्बई आदि। महाराजा ने जोधपुर से हवाई उड़ान की ओर भी कई योजनाएं बनायी, लेकिन द्वितीय विश्वयुद्ध के छिड़ जाने के कारण यह योजनाएं फलीभूत नहीं हो सकी।

महाराजा उम्मेदसिंह को जोधपुर हवाई अड्डे को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का हवाई अड्डा बनाने का पूरा श्रेय जाता है। जोधपुर अन्तर्राष्ट्रीय नक्शे पर उभरा। अन्तर्राष्ट्रीय हवाई जहाज चालक दल के अधिकारियों के ठहरने के लिए स्टेट होटल का निर्माण भी करवाया, जो वर्तमान एयरफोर्स ऑफिसर मैस है। भारत का उस समय का सबसे तेज वायुयान जिप्सी मौथ महाराजा उम्मेदसिंह ने खरीदा, बाद में दो टाइगर मौथ व दो लीक हीड व अन्य हवाई जहाज भी खरीदे। 1935 में कॉम्पररस्विफ्ट नामक अत्याधुनिक विमान होना भी गर्व की बात थी। उस समय भारत के किसी भी राजघराने के पास ऐसा हवाई जहाज नहीं था। 1935 तक महाराजा दो सौ घण्टे से अधिक की उड़ान भर चुके थे। रात के समय भी विमान कुशलता से उड़ाते। 1936 में अजमेर के व्यवसायी राय बहादुर भागचन्द सोनी ने महाराजा उम्मेदसिंह को रियासत में उपयोग के लिए एक हवाई जहाज लियोपार्ड मौथ (बी.टी.-एच.एच.) भेंट किया।

जोधपुर हवाई अड्डे पर 1929-30 में 99 हवाई जहाज, 1930-31 में 250, 1931-32 में 340, 1932-33 में 418,1933-34 में 451 व 1936 में आने वाले विमानों की संख्या बढ़कर 761 तक पहुँच गई। महाराजा द्वारा हवाई अड्डे की देखरेख में उतरने वाले हवाई जहाज से निदेशक नागरिक उड्डयन विभाग द्वारा नियमानुसार निर्धारित शुल्क भी लिया जाता था।

द्वितीय विश्व युद्ध में जोधपुर हवाई अड्डा बड़ा एयरबेस बन गया

1941 में जोधपुर हवाई अड्डा ऐलिमेन्ट्री फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल में तब्दील हो गया। इसके एक वर्ष बाद ही यहाँ इंग्लैण्ड की रॉयल एयरफोर्स एवं अमेरिकी एयरफोर्स के विमान आने-जाने लगे। द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ जाने पर जोधपुर हवाई अड्डा एक बड़ा एयर बेस बने गया। उस समय अनेक लड़ाकू विमान मौजूद रहते व उड़ान भरते थे।

5 रुपए में विमान में बैठकर घूमने की व्यवस्था

महाराजा उम्मेदसिंह ने जोधपुर वासियों के लिए फ्लाइंग क्लब के विमान टाइगर मौथ से टिकट के आधार पर दस मिनट तक हवाई जहाज से आकाश को भ्रमण की व्यवस्था भी करवायी थी। पाँच रुपये में विमान में बैठकर घूमा जा सकता था।

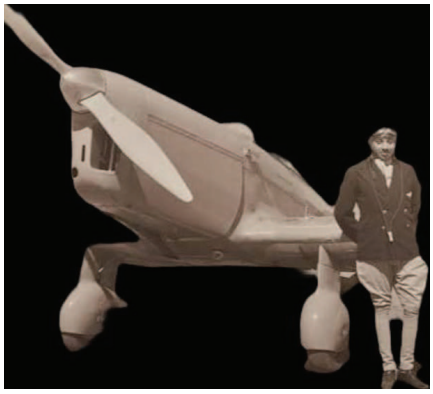

वायुसेना में ऑनरेरी एयर कमोडोर व एयर वाइस मार्शल

ब्रिटिश सरकार ने महाराजा उम्मेदसिंह की विमान सेवाओं के क्षेत्र में किए कार्यों व योगदान के लिए 23 जून, 1931 को रॉयल वायुसेना में ऑनरेरी एयर कमोडोर तथा 1945-46 में एयर वाइस मार्शल की उपाधि व ब्रिटिश आर्मी ने ऑनरेरी लेफ्टिनेंट जनरल की उपाधि से अलंकृत किया।

44 वर्ष की उम्र में निधन

9 जून, 1947 को आधुनिक जोधपुर के निर्माता व वायुसेवाओं के संस्थापक महाराजा उम्मेदसिंह का माउण्ट आबू में अपेंडिक्स के ऑपरेशन के बाद 44 वर्ष की उम्र में ही निधन हो गया। उन्होंने 23 वर्ष में जोधपुर उड्डयन सेवाओं को स्थापित कर आगे बढ़ाया जिसके लिए इतिहास में सदैव स्मरण किया जायेगा।

1950 में जोधपुर हवाई प्रशिक्षण बेस को वायुसेना फ्लाइंग कॉलेज में परिवर्तित कर दिया। 1965 के युद्ध तक जोधपुर फ्लाइंग क्लब का मूल स्वरूप बना रहा। 1 जनवरी, 1971 का वायुसेना स्टेशन की जोधपुर में स्थापना हुई और विंग कमाण्डर ओ.पी. मेहरा ने एयरबेस की कमान सम्भाली थी ।

महाराजा उम्मेद सिंह द्वारा रोपा हवाई सेवा का पौधा अब वटवृक्ष बन गया

1924 में महाराजा उम्मेदसिंह द्वारा जोधपुर में रोपा गया हवाई सेवा रूपी पौधा आज एक विशाल वटवृक्ष के रूप में पूरी मजबूती से अपने वर्तमान स्वरूप में खड़ा है। इसने अपनी विकास यात्रा की लम्बी दूरी तय करते हुए उतरोतर नई ऊँचाइयों को छुआ है। जोधपुर एयरबेस दक्षिणी पूर्वी एशिया का सबसे बड़ा व अति महत्वपूर्ण एयरबेस है, जिसकी छत्र छाया में पश्चिमी राजस्थान की सीमाएँ पूर्ण रूप से सुरक्षित हैं व जोधपुर एयरबेस सामरिक दृष्टि से शक्तिशाली है।

जोधपुर एयरपोर्ट से व्यावसायिक हवाई उड़ानों के माध्यम से जोधपुर देश के प्रमुख शहर दिल्ली व मुम्बई व अन्य शहरों से सीधी विमान सेवाओं से जुड़ा हुआ है। यहाँ अनेक कम्पनियों के विमान अपनी सेवाएं उपलब्ध करवाते हैं।

- राजेन्द्रसिंह लीलियाँ,
पीआरओ, उम्मेद भवन पैलेस, जोधपुर

जोधपुर हवाई अड्डे को अन्तरराष्ट्रीय स्तर का हवाई अड्डा बनाया

संक्षिप्त समाचार

रिफाइनरी परियोजना को गति देगी बालोतरा-पचपदरा रेल लाइन, जल्द भेजा जाएगा प्रस्ताव

निजी संवाददाता

जोधपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ ने कहा है कि पचपदरा रिफाइनरी परियोजना के दृष्टिगत बालोतरा-पचपदरा नई रेल लाइन राजस्थान ही नहीं,बल्कि देश की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि इस रेलखंड का निर्माण पूर्व की मीटरगेज लाइन की अलाइनमेंट पर ही किया जाएगा।

बाड़मेर दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में महाप्रबंधक अमिताभ ने बताया कि परियोजना का सर्वे कार्य पूरा कर लिया गया है। वर्तमान में लागत आकलन (कॉस्ट एस्टिमेशन) और अन्य तकनीकी रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद परियोजना का प्रस्ताव स्वीकृति के लिए रेल मंत्रालय को भेजा जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह एक महत्वाकांक्षी और बड़े स्तर की परियोजना है,इसलिए इसके निर्माण कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। महाप्रबंधक के अनुसार यह रेल लाइन पचपदरा रिफाइनरी को बेहतर रेल संपर्क प्रदान करने के साथ-साथ क्षेत्र में माल परिवहन को भी नई गति देगी।

गौरतलब है कि पचपदरा में विकसित हो रही रिफाइनरी परियोजना के लिए रेलवे संपर्क को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नई रेल लाइन के निर्माण से औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा पश्चिमी राजस्थान के आर्थिक विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

बाड़मेर रेलवे स्टेशन का होगा बड़ा विस्तार,एक की जगह तीन पिट लाइनें और छह प्लेटफॉर्म विकसित होंगे

निजी संवाददाता

बाड़मेर। पश्चिमी राजस्थान के महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र बाड़मेर रेलवे स्टेशन पर रेलवे द्वारा बड़े स्तर पर अवसंरचनात्मक विकास कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों के पूरा होने के बाद स्टेशन की क्षमता और यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। वर्तमान में स्टेशन पर तीन प्लेटफॉर्म हैं,जिन्हें बढ़ाकर छह करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। साथ ही स्टेशन पर द्वितीय प्रवेश द्वार (सेकेंड एंट्री गेट) विकसित करने का प्रस्ताव भी रेलवे के विचाराधीन है। यह जानकारी उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ ने गुरुवार को बाड़मेर दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि बाड़मेर और जैसलमेर पश्चिमी राजस्थान के दूरस्थ एवं महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन हैं,जहां यात्रियों की बढ़ती संख्या और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए रेलवे लगातार सुविधाओं का विस्तार कर रहा है।

महाप्रबंधक ने बताया कि स्टेशन यार्ड में दो नई पिट लाइनों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। वर्तमान में स्टेशन पर केवल एक पिट लाइन उपलब्ध है, लेकिन निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इनकी संख्या बढ़कर तीन हो जाएगी। निर्धारित योजना के अनुसार पुरानी पिट लाइन को बाद में हटाकर उसके स्थान पर नए प्लेटफॉर्म विकसित किए जाएंगे तथा उसकी जगह रिप्लेसमेंट पिट लाइन का उपयोग किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य इस वर्ष दिसंबर तक पूरा होने की संभावना है, हालांकि पुराने रेलवे क्वार्टरों,हेल्थ यूनिट और अन्य विभागीय भवनों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया के कारण परियोजना की समय-सीमा में कुछ बदलाव संभव है। इसके लिए रेलवे द्वारा नए आवासीय भवनों और आवश्यक संरचनाओं का निर्माण भी किया जा रहा है ताकि कर्मचारियों और विभागीय इकाइयों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

उत्तर पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक के अनुसार आगामी छह से आठ महीनों में पिट लाइनों की संख्या एक से बढ़कर तीन हो जाएगी,जबकि अगले एक से दो वर्षों के भीतर प्लेटफॉर्मों की संख्या वर्तमान तीन से बढ़ाकर छह किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे ट्रेनों के रखरखाव,कोचिंग संचालन और प्लेटफॉर्म उपलब्धता में बड़ा सुधार होगा तथा अधिक ट्रेनों का संचालन भी संभव हो सकेगा। इस अवसर पर जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी भी मौजूद थे।

सेकंड एंट्री से मुख्य प्रवेश द्वार पर भीड़ का दबाव कम होगा : रेलवे की यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बाड़मेर रेलवे स्टेशन पर द्वितीय प्रवेश द्वार विकसित करने की भी योजना है। सेकेंड एंट्री बनने से शहर के दूसरे हिस्से से आने वाले यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने में आसानी होगी और मुख्य प्रवेश द्वार पर भीड़ का दबाव कम होगा। इसके साथ ही पार्किंग,यात्री आवागमन और स्टेशन परिसर की समग्र व्यवस्था में भी सुधार होने की उम्मीद है।

बढ़ेंगी यात्री सुविधाएं और सुगम होगा रेल संचालन : महाप्रबंधक का मानना है कि उक्त परियोजना पूरी होने के बाद बाड़मेर स्टेशन पश्चिमी राजस्थान के प्रमुख और आधुनिक रेलवे स्टेशनों में शामिल होगा। बढ़ी हुई प्लेटफॉर्म क्षमता,अतिरिक्त पिट लाइनें और आधुनिक यात्री सुविधाएं न केवल रेल संचालन को अधिक सुगम बनाएंगी बल्कि क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी गति प्रदान करेंगी। भविष्य में बढ़ने वाले यात्री और माल परिवहन को देखते हुए यह विस्तार बाड़मेर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगा।

सड़कों के निर्माण में पारदर्शिता, गुणवत्ता हो सुनिश्चित,

प्रमुख शहरों को जोड़ने के लिए सुदृढ़ सड़क तंत्र का हो विस्तार और विकास : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़कों का निर्माण पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ करने के स्पष्ट निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण की निरंतर जांच की जाए एवं निम्नस्तरीय सड़क पर अधिकारी-अभियंता की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी धन का दुरुपयोग और अपव्यय किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर सार्वजनिक निर्माण विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में सड़क तंत्र को मजबूत, सुरक्षित और व्यापक बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार बड़ी परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता के मापदण्डों को ध्यान में रखते हुए आपसी समन्वय से तय समयसीमा में पूरा किया जाए। विकास एवं परियोजनाओं के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित हो।

उन्होंने प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जालौर-झालावाड़, श्रीगंगानगर-कोटपूतली, अजमेर-बांसवाड़ा के मध्य बेहतर कनेक्टिविटी के संबंध में चर्चा करते हुए दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए रिंग रोड के उत्तरी हिस्से की योजना पर भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आधारभूत ढांचे के विकास से राज्य के विकास को गति मिलती है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवागमन को सरल और सुगम बनाया जाए और हर गांव, हर कस्बे को सड़क तंत्र से जोड़ा जाए। उन्होंने सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं चैड़ाईकरण से संबंधित कार्यों में गति लाने के निर्देश देते हुए मौजूदा सड़क तंत्र के विकास एवं विस्तार पर जोर दिया।

उन्होंने प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास कार्यों की भी समीक्षा कर निर्देश दिए कि प्रगतिरत कार्यों में गति लाई जाए। साथ ही, उन्होंने राज्य राजमार्ग, मुख्य जिला सड़क, अन्य जिला सड़क एवं ग्रामीण सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण के कार्यों की विस्तृत समीक्षा भी की।

पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में 18 हजार किलोमीटर से अधिक सड़क विकास : बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रगतिरत कार्यों के बारे में अवगत करवाते हुए बताया कि वर्तमान सरकार के 2 वर्ष 5 माह के कार्यकाल में अब तक 33 हजार 195 करोड़ रुपये का व्यय कर 48 हजार 748 किमी लम्बाई में सड़कों का विकास कार्य पूर्ण किया गया है। जिसमें से 17 हजार 934 किमी लम्बाई की नवीन सड़कों का निर्माण कार्य किया गया है तथा 1 हजार 756 गांवों को सड़कों से जोड़ा गया है। वहीं, 6 हजार 184 किमी लम्बाई में अन्य जिला सड़कों एवं ग्रामीण सड़कों का मुख्य जिला सड़कों में क्रमोन्नयन किया गया। गांव के सड़क तंत्र को सुदृढ़ किये जाने के लिए 378 किमी लम्बाई में कार्य कर 256 गांवों में अटल प्रगति पथों का निर्माण पूर्ण किया गया।

उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार में समान समयावधि के दौरान 13 हजार 400 करोड़ रुपये व्यय कर 30 हजार 641 किमी लम्बाई में सड़कों का निर्माण कार्य ही किया गया था। वहीं, नवीन सड़कें भी केवल 4 हजार 671 किमी लम्बाई में निर्मित की गई थी। साथ ही, केवल 280 गांव ही सड़कों से जुड़ पाए थे। इस तरह पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में वर्तमान सरकार में 18 हजार किलोमीटर से अधिक सड़क विकास कार्य हुए है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस दौरान भरतपुर जिले में प्रगतिरत एवं प्रस्तावित विकास कार्यों को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि विकास परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान, सड़कों के चैड़ाइकरण, खेल सुविधाओं के विकास, पार्कों के उन्नयन तथा ड्रेनेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में भविष्य की आवश्यकताओं एवं जन अपेक्षाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा व अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता सहित भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सार्वजनिक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जोधपुर में कपड़ा धुलाई की अवैध फैक्ट्री तोड़ी: ड्रोन से पकड़ी अवैध यूनिट, जेसीबी से तोड़े 4 हौद और टंकियां

निजी संवाददाता

जोधपुर। जोधपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने अवैध निर्माण, अतिक्रमण और बिना अनुमति संचालित औद्योगिक इकाइयों को लेकर गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। जेडीए की टीम की ओर से बनाड़ व गेलावास क्षेत्र में अवैध रंगाई-छपाई एवं धुलाई इकाइयों को ध्वस्त किया गया (तोड़ा गया)। वहीं ग्राम बेरू में मुख्य सड़क मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर रास्ता आमजन के लिए खुलवाया गया।

जेडीए आयुक्त उत्साह चौधरी के निर्देशन में प्रवर्तन शाखा द्वारा नियमित रूप से अवैध गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही ड्रोन सर्वे के जरिए इन अवैध रंगाई-छपाई यूनिट्स को चिह्नित किया जा रहा है।

बनाड़ में अवैध टेक्सटाइल यूनिट पर कार्रवाई : जोधपुर विकास प्राधिकरण के उपायुक्त (जोन-1) प्रवीण रघु ने बताया कि ग्राम बनाड़ में संचालित अवैध टेक्सटाइल इकाई का जेडीए और राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल की संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान दो जेसीबी मशीनों की सहायता से चार पानी के हौद, प्लास्टिक की टंकियां, लगभग 250 फीट लंबी रंगाई-छपाई टेबलें तथा आयरन स्ट्रक्चर सहित अन्य अवैध निर्माणों को तोड़ दिया गया। यहाँ रंगीन और प्रदूषित पानी के स्टोरेज के लिए बनाए गए गड्ढों को भी मिट्टी डालकर समतल किया गया।

गेलावास में अवैध फैक्ट्री जमींदोज : इसी तरह जेडीए की टीम ने ग्राम गेलावास में संचालित एक अन्य अवैध रंगाई-छपाई एवं धुलाई इकाई का निरीक्षण किया। जेडीए अधिकारियों के अनुसार यह यूनिट बिना किसी अनुमति (परमिशन) के अवैध रूप से संचालित की जा रही थी, जिसे जेसीबी की मदद से पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

भजन सरकार के मंत्री किरोडी ने फिर इस्तीफा देने की बात की,मंत्री नाराजगी की कोई तो वजह होगी?

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राज्य की भजन सरकार में इस्तीफा मंत्री का लंबे समय तक टाइटल लेकर घूम रहे कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा एक बार फिर अपनी कार्यशैली और बेबाक अंदाज को लेकर जहां चर्चा में हैं,वहीं सीकर में व्यापारियों की ओर से कृषि विभाग पर लगाए गए आरोप पर मोर्चा मंत्री ने खुद संभाला है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सीकर में कृषि विभाग की टीम और स्थानीय बीज व्यापारियों के बीच शुरू हुआ विवाद अब राजनीतिक मोड लेने लगा है। सीकर के सांवली रोड पर हुई झड़प,राजकार्य में बाधा और व्यापारियों द्वारा विभागीय टीम पर लगाए गए 20 लाख रुपए की रिश्वत के आरोपों पर अब प्रदेश के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। इस पूरे विवाद पर उन्होंने बेहद तीखी और गंभीर प्रतिक्रिया दी है।

किरोड़ी ने कहा साबित,तो स्टीफ दे दूंगा: मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कृषि मंत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स पर भारतीय जनता पार्टी राजस्थान और मुख्यमंत्री कार्यालय को टैग करते हुए व्यापारियों के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने साफकिया कि उनकी टीम किसी गलत काम में लिप्त नहीं थी, बल्कि गरीब किसानों की फसलों को नकली बीजों से बचाने के लिए अपनी ड्यूटी निभा रही थी। डॉ. मीणा ने लिखा, 'नकली बीज माफियाओं के खिलाफहमारी टीम ने पूरी निष्ठा से कार्रवाई की। झूठे आरोप लगाकर किसानों की लड़ाई को कमजोर नहीं किया जा सकता। यदि भ्रष्टाचार का एक भी आरोप सिद्ध हो जाए तो मैं पद छोड़ दूंगा यानि मंत्रीर पद से इस्तीफ दे दूंगा? लेकिन किसानों के हितों से समझौता कभी नहीं होगा?'

ये है विवाद और मामला: मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस विवाद की शुरुआत 4 जून को सीकर के सांवली चौराहे के पास और बीकानेर बाईपास पर स्थित 'विकास सीड्स' व 'बालाजी एग्रो इंडस्ट्रीज' के गोदामों से हुई थी। कृषि विभाग के कर्मचारी संदीप कुमार और रजनीश कुमार एक गोपनीय सूचना के आधार पर वहां खीरे के नकली बीजों की अवैध री-पैकिंग की जांच करने पहुंचे थे।

विभागीय टीम के साथ मारपीट: मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विभागीय टीम का आरोप है कि जांच के दौरान स्थानीय व्यापारियों ने उनके साथ मारपीट की, राजकार्य में बाधा पहुंचाई और उनका अपहरण करने का प्रयास किया, जिसकी एफआईआर सदर थाने में दर्ज कराई गई। इसके विपरीत, व्यापारियों ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि कृषि विभाग के कर्मचारी वैध व्यापार बंद करने की धमकी देकर 20 लाख रुपए की घूस मांग रहे थे और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे।

कांग्रेस ने की घेराबंदी: मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस मामले में वीडियो सामने आने के बाद जहां किरोड़ी अपनी टीम के समर्थन में जुटे हैं। वहीं कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष की ओर से भी कृषि विभाग की घेराबंदी की गई है। डोटासरा ने एक्स पोस्ट कर लिखा है 'कि मतलब जो कृषि मंत्री के साथ कार्रवाई का चेहरा बनकर घूमें, बाद में वही उगाही करें, सरकार को पूरे मामले की जांच करनी चाहिए

पहले भी इस्तीफे की दे चुके धमकी?: मीडिया रिपोर्ट के अनुसार किरोडी अपनी बयान बाजी से अक्सर चर्चा में रहता है। यह पहला अवसर नहीं है कि उन्होंने इस्तीफ दे देनी का बात कही है। कहते हैंकि सिद्धांतों के लिए पद दांव पर लगाना मेरे लिए कोई नई बात नहीं है? इससे पहले लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान उन्होंने घोषणा की थी कि यदि उनके प्रभाव वाले क्षेत्र (दौसा, सवाई माधोपुर, भरतपुर) में बीजेपी हारती है, तो वे इस्तीफ दे देंगे? परिणाम विपरीत आने पर उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अपना इस्तीफ सौंप भी दिया था?,

राज्य उपभोक्ता आयोग: एक नंबर की बीमा पॉलिसी दो उपभोक्ताओं को विक्रय, क्लेम हुआ तब खुली पोल

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। पॉलिसी बाजार की साइट से ऑनलाइन खरीदी गई बीमा पॉलिसी उपभोक्ता को उस वक्त भारी पड़ गई जब दुर्घटना के पश्चात दावा प्रस्तुत करने पर ज्ञात हुआ कि खरीदी गई पॉलिसी नकली एवं डुप्लीकेट जारी हुई थी।

राज्य आयोग के समक्ष यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी एवं नेशनल इंडिया इंश्योरेंस कंपनी ने जिला आयोग जालोर के निर्णय के विरुद्ध अपील प्रस्तुत करते हुए बताया कि जालोर निवासी उपभोक्ता कानाराम टोयोटा वाहन का बीमा पूर्व में यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी से लगातार करवा रहा था। वर्ष 2021 में उसने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के बजाय नेशनल इंडिया इंश्योरेंस कंपनी से बीमा ऑनलाइन पॉलिसी बाजार से लिया तथा पूर्व में कोई क्लेम नहीं लेने के आधार पर उसे नो क्लेम बोनस 50 फीसदी छूट भी प्राप्त हुई। उपभोक्ता ने वाहन का बीमा करवाने के लिए 4712 रुपए का भुगतान किया।

वाहन जून 2022 में दुर्घटनाग्रस्त हो गया तथा मरम्मत खर्च के 335973 खर्च हुए। उपभोक्ता ने नेशनल इंश्योरेंस के समक्ष अपना दावा प्रस्तुत किया कंपनी ने दावा प्राप्त होने पर उपभोक्ता को मात्र 69729 रुपए का भुगतान किया। उपभोक्ता ने जिला आयोग जालोर में बकाया राशि के लिए परिवाद पेश किया जिला आयोग ने परिवाद स्वीकार करते हुए समस्त राशि उपभोक्ता को अदा करने के आदेश दिए।

बीमा नेशनल इंश्योरेंस कंपनी ने जिला आयोग के आदेश के विरुद्ध राज्य आयोग में अपील पेश करते हुए बताया कि दावा प्रस्तुत होने पर बीमा कंपनी ने पूर्व में पॉलिसी जारी करने वाली बीमा कंपनी यूनाइटेड इंश्योरेंस से नो क्लेम बोनस के संबंध में जानकारी चाही तो प्रथम तौर पर पॉलिसी झूठी पाई गई। कंपनी ने एनसीबी की छूट गलत लेने पर बीमा कंपनी को पॉलिसी निरस्त करने का अधिकार है बावजूद इसके वाहन की क्षति का सर्वेयर से सर्वे करवाने पर देय योग्य राशि 70640 रु पए हुई थी जो उपभोक्ता को अदा कर दी गई। यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस की ओर से बहस में कहा गया कि बीमा कंपनी की जानकारी में आने पर उनके द्वारा पुलिस अधीक्षक जालोर को रिपोर्ट पेश की गई। अन्य किसी कंपनी ने पूर्व पॉलिसी में कूटरचना की है तो उसके लिए कंपनी दोषी नहीं है। नेशनल इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के पॉलिसी लेने पर उसकी जिम्मेदारी थी कि जी आर 27 के अनुसार 15 दिवस में पूर्व की पॉलिसी की जांच कर सकते थे। दोनों कंपनियों ने आयोग के निर्णय को वापस करने की प्रार्थना की पॉलिसी बाजार की ओर से बहस में बताया गया कि उसकी वेबसाइट से 2021 में कोई पॉलिसी नहीं ली गई इसलिए उसका कोई सेवा दोष नहीं है।

इस बस से मुसाफिरों का मिला सीक्रेट बैग! तीन गिरफ्तार

राजस्थान-गुजरात बॉर्डर पर पुणे-जोधपुर निजी बस में मिला 4 करोड़ का 'खजाना', देखते ही चैकिंग दल की आंखे फटी की फटी रह गईं?

सिरोही जिले में गुजरात बॉर्डर पर हो गया खेला, निजी बस से सोने-चांदी के गहने जब्त

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान और गुजरात की सीमा पर सिरोही जिले में एक दिन पहले देर शाम पुलिस ने एक निजी ट्रैवल्स बस को तलाशी के लिए रोका, तो उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि अंदर इतना कुछ मिलने वाला है? कि उनकी खुद की आंखे फटी रह जाएगी। इस निजी बस में सवार तीन यात्रियों के बैग खोलते ही पुलिसकर्मियों की चमकने लग गई ।

पुलिस सूत्रों के अनुसार राजस्थान और गुजरात की सीमा पर स्थित मावल चौकी पर रविवार शाम एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने पुलिस के भी होश उड़ा दिए।

आम दिनों की तरह गाड़ियों की चेकिंग कर रही पुलिस के हत्थे एक ऐसी 'लक्जरी' बस चढ़ी, जिसके अंदर आम मुसाफिरों के भेष में करीब 4 करोड़ रुपये का 'खजाना' सफर कर रहा था। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए बस से करीब 2.8 किलोग्राम सोने और 800 ग्राम चांदी के जेवरात बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुणे-जोधपुर ट्रैवल्स बस की तलाशी, सोने का भरा बैग मिला: पुलिस सूत्रों के अनुसार सिरोही जिले के आबूरोड रीको थाना अधिकारी लक्ष्मण सिंह चंपावत ने बताया कि रविवार शाम करीब 4 बजे गुजरात के पालनपुर की तरफसे आ रही पुणे-जोधपुर ट्रैवल्स बस को रूटीन चेकिंग के लिए मावल चौकी पर रोका गया था। पुलिस की टीम जब बस के अंदर जांच करने पहुंची, तो वहां बैठे तीन यात्रियों की धड़कनें अचानक तेज हो गईं? उनके चेहरे के बदलते रंग को देखकर पुलिस को शक हुआ। जब उनके पास रखे बैग्स की सघन तलाशी ली तो पुलिसकर्मी भी सन्न रह गए उनकी आंखे फटी रह गईं । इनके पास बैग कपड़ों से नहीं, बल्कि सोने और चांदी के चमचमाते गहनों से ठसाठस भरे हुए थे।

पूछ ताछ में नही मिला सही जवाब: पुलिस ने बताया कि इन तीनों यात्रियों से इतनी भारी मात्रा में ले जाए जा रहे गहनों के वैध दस्तावेज और बिल मांगे, तो वे बगलें झांकने लगे। उनके पास जेवरातों से जुड़ा एक भी कागज नहीं मिला। बिना किसी वैध दस्तावेज के इतनी बड़ी संपत्ति ले जाने पर पुलिस ने बिना वक्त गंवाए तीनों को तुरंत हिरासत में ले लिया और पूछ ताछ के लिए थाने ले आए।

किसके बैग से क्या निकला?: थाने लाकर जब तौल करने वाली मशीन मंगवाई गई और गहनों का वजन शुरू हुआ, तो आंकड़े चौंकाने वाले थे। नाम रमेश कुमार:निवासी बरलूट, सिरोही इनके बैग से सबसे ज्यादा 1.350 किलो सोना और 300 ग्राम चांदी की ज्वेलरी बरामद हुई। नाम गजेंद्र सिंह: निवासी वेरा विलपुर, पालड़ी एम, सिरोही इनके बैग की तलाशी लेने पर 890 ग्राम सोने के गहने मिले।

नाम चंदूलाल:निवासी गोल, बरलूट, सिरोही इनके पास से 571.5 ग्राम सोना और 500 ग्राम चांदी के जेवर जब्त किए गए। इन तीनों के बैग से कुल मिलाकर लगभग 2 किलो 811 ग्राम सोना और 800 ग्राम चांदी बरामद की गई।

स्वत्वाधिकारी (मालिका) प्रकाशक एवं मुद्रक समपादक :प्रदीप सिंह द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, प्लॉट नं. 17, माँ वैष्णों देवी नगर, कालवाड़ा रोड, जयपुर राजस्थान- 342012 में मुद्रित एवं
सम्पादक : प्रदीपसिंह, केन्द्रीय कार्यालय : 1053, सोसायटी नगर, शहीद भगतसिंह सोसायटी, पाली (राजस्थान) से प्रकाशित मो.: 9983831415, E-mail: thikrajasthan@gmail.com. (समाचार के लिय पीआरबीएक्ट के तहत जिम्मेदार)